



सच की आवाज हर कदम आपके साथ

न्यूज़ हंगर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से प्रकाशित

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से प्रकाशित और एनसीआर, चंडीगढ़, हिमाचल, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, पंजाब, मध्यप्रदेश, बिहार, राजस्थान और मुंबई में प्रसारित

वर्ष : 01

अंक : 01 01 सितंबर से 15 सितंबर 2026

नई दिल्ली

पृष्ठ : 06

मूल्य : 5 रुपए

प्रधान संपादक : विनायक कुमार Mob: - 7703848362 Youtube : News Hunger.com

www.newshunger.in, E-mail : news.hunger.business@gmail.com
Instagram: newshunger02, Facebook: News Hunger Twitter: @NHunger48780

सत्य निकेतन हादसा: अब तक 7 की मौत

लापरवाही बरतने पर एमसीडी के डिप्टी कमिश्नर समेत पांच लोग सस्पेंड

» नई दिल्ली /न्यूज हंगर।

दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में बहुमंजिला इमारत के ढहने के बाद बीते सोमवार को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के पांच कर्मचारियों को सस्पेंड कर दिया गया। लापरवाही बरतने पर सस्पेंड किए गए कर्मचारियों में साउथ जोन के अधिकारी शामिल हैं। जिन लोगों पर कार्रवाई हुई है, उनमें डिप्टी कमिश्नर राकेश कुमार, सुपरिटेंडिंग इंजीनियर रणवीर सिंह, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर ललित कुमार गोयल, असिस्टेंट इंजीनियर सुनील चौहान और जूनियर इंजीनियर आशीष कुमार शामिल हैं। दिल्ली सरकार ने तुरंत प्रभाव से इन अधिकारियों को सस्पेंड करने का आदेश दिया। हादसे में अब तक सात लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। कई घायलों का इलाज चल रहा है, जबकि मलबे के नीचे अभी कई लोगों के दबे होने की आशंका है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार सुबह हादसे वाली जगह का दोबारा दौरा किया और बचाव व उससे जुड़े कामों का जायजा लिया। निरीक्षण के बाद सीएम गुप्ता ने भरोसा दिलाया कि लापरवाही या चूक के दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जिम्मेदार पाए जाने वाले एमसीडी अधिकारियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई का आदेश दिया। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, ऐसी घटनाओं को



रोकने और सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली भर में अवैध पांच मंजिला इमारतों को तुरंत सील करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। पूरी रात खोज और बचाव अभियान जारी रहा। अधिकारियों ने बताया कि मलबे के नीचे अभी भी कई लोगों, खासकर छात्रों के दबे होने की आशंका है और उन्हें सुरक्षित निकालने की कोशिशें जारी हैं। 'हॉस्टल डेज' नाम की यह पांचमंजिला इमारत लड़कों के पीजी के तौर पर चल रही थी और घटना के समय कई छात्र वहां रह रहे थे। चश्मदीन

के मुताबिक, पास की एक इमारत भी ढह गई, जिससे इलाके की इमारतों की सुरक्षा और बनावट की हालत को लेकर चिंता बढ़ गई है। पुलिस के अनुसार, साउथ कैंपस पुलिस स्टेशन में मालिक हरिराम बंसल और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (साउथवेस्ट) अमित गोयल ने मामला दर्ज होने की पुष्टि की। बंसल के खिलाफ लुक-आउट नोटिस जारी होने के बाद दिल्ली पुलिस ने उन्हें पकड़ने के लिए 10 टीमें बनाई हैं।

दिल्ली पुलिस ने भिवाड़ी से इमारत के मालिक हरिराम बंसल को किया गिरफ्तार



और घटना के समय कई छात्र वहां रह रहे थे। घटना के बाद दिल्ली पुलिस ने मालिक हरिराम बंसल और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (साउथवेस्ट) अमित गोयल ने मामला दर्ज होने की पुष्टि की। वहीं, लापरवाही बरतने पर इस मामले में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के पांच कर्मचारियों को सस्पेंड कर दिया गया है। जिन लोगों पर कार्रवाई हुई है, उनमें डिप्टी कमिश्नर राकेश कुमार, सुपरिटेंडिंग इंजीनियर रणवीर सिंह, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर ललित कुमार गोयल, असिस्टेंट इंजीनियर सुनील चौहान और जूनियर इंजीनियर आशीष कुमार शामिल हैं। दिल्ली सरकार ने तुरंत प्रभाव से इन अधिकारियों को सस्पेंड करने का आदेश दिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जिम्मेदार पाए जाने वाले एमसीडी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आदेश दिया था।

रेखा गुप्ता का फैसला का स्वागतयोग्य, अवैध और जर्जर इमारतों के खिलाफ हो सख्त कार्रवाई : प्रवीण खंडेलवाल



» नई दिल्ली /न्यूज हंगर।

दिल्ली के सत्य निकेतन में बिल्डिंग गिरने के मामले में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि भवन मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए, जिम्मेदार पाए जाने वाले एमसीडी अधिकारियों पर कार्रवाई हो और इसके अलावा दिल्ली में पांचवीं मंजिल वाले भवनों को तत्काल सील करने के निर्देश दिए हैं। भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने सीएम के इस फैसले का स्वागत किया है। प्रवीण खंडेलवाल ने आईएनएस से बात करते हुए कहा, 'मैं दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के बयान की तारीफ करता हूं। कल सत्य निकेतन में जो हुआ, वह त्रासदी की सारी हदें पार कर गया। बच्चे यहां पड़ाई के लिए आए थे और इसमें लोगों की जान भी गई है। ऐसी अवैध इमारतें असल में दिल्ली के लिए खतरा हैं। मुख्यमंत्री के आदेशों को तुरंत लागू किया जाना चाहिए।' उन्होंने कहा कि इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान होनी चाहिए, चाहे वे अधिकारी हों, कोई व्यक्ति हो या किसी भी तरह की मिलीभगत में शामिल कोई भी हो, उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जानी चाहिए। ऐसे लोग इसानियत के खिलाफ काम कर रहे हैं।

हादसों और बाढ़ से तबाही पर मायावती ने जताई चिंता, बोली- अधिकारियों की लापरवाही और भ्रष्टाचार पर लगे लगाम



नई दिल्ली /न्यूज हंगर। बहुजन समाज पार्टी

(बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने दक्षिण दिल्ली में बिल्डिंग ढहने, मध्य प्रदेश के सागर जिले में हुए जहरीली शराब कांड और उत्तर प्रदेश एवं बिहार समेत कई राज्यों में बाढ़ से हुई जान-माल की तबाही पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने इन घटनाओं को बेहद दुखद और चिंताजनक बताते हुए शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि ऐसी घटनाओं से शासन-प्रशासन की जिम्मेदारियों के निर्वहन को लेकर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने सरकारों से जनहित और जनकल्याण के मुद्दों पर अधिक चुस्त-दुरुस्त होने तथा अधिकारियों की लापरवाही, उदासीनता और भ्रष्टाचार पर सख्ती से लगाम लगाने की मांग की। पूर्व सीएम मायावती ने कहा कि दक्षिण दिल्ली के पांच मंजिला पीजी हास्टल के ढहने से 5 लोगों की हुई मौत तथा मध्य प्रदेश के सागर जिला में भी जहरीली शराब पीने से 18 लोगों की कल हुई मौत व लगभग 190 बीमार लोगों के अस्पताल में इलाज के लिए दाखिल होने की घटना एवं यूपी व बिहार आदि राज्यों में बाढ़ के कारण जान-माल की तबाही की खबरें अति-दुखद व चिन्तनीय। उन्होंने आगे कहा कि इन घटनाओं से यह साबित होता है कि शासन-प्रशासन अपनी जिम्मेदारियों को सही से नहीं निभा रहा है, जिस कारण जनहित व जनकल्याण के सम्बंध में सरकारों को चुस्त-दुरुस्त होने की सख्त जरूरत है।

अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लालू यादव और उनके परिवार के खिलाफ आरोप तय करने पर फैसला टाला

» नई दिल्ली /न्यूज हंगर।

दिल्ली की एक अदालत ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के प्रमुख लालू प्रसाद यादव, उनके परिवार के सदस्यों और अन्य आरोपियों के खिलाफ कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोप तय करने के संबंध में अपना फैसला टाल दिया। यह मामला प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा आईआरसीटीसी होटल घोटाले की जांच के दायरे में लाया गया है।

राउज एवेन्यू कोर्ट, जिसे आदेश सुनाया था, ने फैसला स्थगित कर दिया है और अब संभवतः 10 सितंबर को फैसला सुनाएगा। ईडी का मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज किए गए आईआरसीटीसी होटल घोटाले से उत्पन्न अपराध की आय के कथित मनी लॉन्ड्रिंग से संबंधित है। जांच एजेंसी ने दावा किया है कि लालू प्रसाद यादव के रेल मंत्री रहते हुए 2004 से 2009 के बीच आईआरसीटीसी के होटलों की संचालन के लिए ठेके देने में अनियमितताएं की गईं। अभियोजन पक्ष के अनुसार, होटल के



रखरखाव के ठेके कथित तौर पर निर्धारित मानदंडों का पालन किए बिना आरजेडी सुप्रीमो के करीबी सहयोगियों से जुड़ी एक निजी कंपनी को दिए गए थे। इसके अलावा यह भी आरोप लगाया गया है कि इसके बदले में लालू प्रसाद यादव के परिवार के सदस्यों और सहयोगियों से कथित तौर पर जुड़ी एक बेनामी कंपनी के माध्यम से तीन एकड़ की प्रमुख भूमि का अधिग्रहण किया गया था। इस मामले में आरोपी लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव, बेटियां मीसा भारती और हेमा यादव के अलावा अन्य लोग भी शामिल हैं।

‘श्री कृष्ण जन्माष्टमी’ कहते हैं, अगर आप साल भर कोई व्रत ना करें और जन्माष्टमी कर ले

» सौम्या मिश्रा/न्यूज हंगर।

नई दिल्ली: भगवान कृष्ण के जन्म पर धूमधाम से उनकी पूजा करें तुलसी और जल चढ़ाएं तो उससे आपके सभी पाप कट जाते हैं, आपको कई व्रत का फल प्राप्त होता है और इसीलिए जन्माष्टमी का महत्व बढ़ जाता है। श्री कृष्ण जन्माष्टमी भगवान विष्णु के आठवें अवतार, श्री कृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। भगवान कृष्ण की पूजा अर्चना बाल गोपाल का अभिषेक जल दूध घृत शक्कर तथा पंचामृत खीर व मक्खन का भोग लगाया जाता है। रात्रि 12:00 बजे कान्हा को भोग लगाने के बाद लोग अपने व्रत का पारन करते हैं।



धार्मिक मान्यताओं की माने तो जन्माष्टमी व्रत कथा का श्रवण यानी सुनना और पाठ करना दोनों ही करने वालों पर भगवान कृष्ण की कृपा प्राप्त होती है और जीवन

में सुख समृद्धि आती है। आपको बता दें कि इस साल जन्माष्टमी 4 सितंबर को मनाई गई जिस दौरान दिल्ली के इस्कोन से लेकर वृंदावन तक लगातार कान्हा की

धुन सुनाई दी। 'नंद घर आनंद भयो जय कन्हैया लाल की' श्लाघों के मुताबिक द्वार युग में भोजवंशी राजा अग्रसेन का मथुरा में शासन था। वह दयालु थे। प्रजा भी उनका काफी सम्मान करती थी लेकिन उनका पुत्र कंस आतंकी और प्रजा को कष्ट देने वाला था। जब उनके पिता को यह बात पता चली तो राजा अग्रसेन ने उन्हें समझाया लेकिन कंस अपने पिता की बात मानने की बजाय उन्हें गद्दी से उतर कर स्वयं मथुरा का राजा बन बैठा। कंस की एक बहन थी जिसे वह अपनी जान से ज्यादा प्यार करते थे। उनका विवाह वासुदेव नामक यदुवंशी सरकार के साथ धूमधाम से किया गया। और उनके विवाह के पश्चात जब वह उन्हें विदा करा रहे थे

तभी आकाशवाणी हुई ' हे कंस तुम्हारी बहन देवकी का पुत्र ही तुम्हारा काल बनेगा ' यह सुनते कंस घबरा गया और अपनी बहन और उसके पति दोनों को करने के लिए टूट पड़ा तब देवकी ने कंस से विनम्रता पूर्वक कहा मेरे घर जो संतान होगी मैं उसे तुम्हारे सामने ला दूंगी इन्हें मारने का क्या लाभ। कंस ने देवकी की बात मान ली लेकिन वासुदेव और देवकी को उसने कारागार में डाल दिया। और तभी एक-एक कर वासुदेव और देवकी की सभी साथ संतानों को कंस ने मार डाला अब बड़ी थी आठवी बच्चों की वह जो कंस के भविष्य को तय करने वाला था और जब उसका जन्म हुआ तो अचानक कारागार के दरवाजे स्वयं ही खुल गए

सभी सैनिक मुग्ध हो गए। ऐसा लग रहा था जैसे ईश्वर की कोई लीला जैसे पूरा विश्व आज उसे बालक के लिए सामने आकर खड़ा हो गया हो यमुना उफान पर थी जैसे जल स्तर बरसात की वजह से नहीं बल्कि प्रभु के चरणों तक पहुंचाने के लिए उफान रही हो। और ऐसे पहुंचे नंद के घर भगवान कृष्ण और तभी से आज तक हम बड़े प्रेम से बाल गोपाल को नहला कर धुल कर भोजन कर कर और पालने में झुलाकर मानते हैं। इस बार की जन्माष्टमी आपने कैसे मनाए आप हमें बता सकते हैं हमारी दी गई जानकारी के जरिए जिसके द्वारा आप न्यूज हंगर से जुड़ सकते हैं मेल आईडी फोन नंबर जो भी आपको आसान और सुगम लगे।

पेरिस में स्वामीनारायण मंदिर भारत-फ्रांस के सांस्कृतिक संबंधों का नया युग स्तंभ: पीएम मोदी

» नई दिल्ली /न्यूज हंगर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस की राजधानी पेरिस में भव्य बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर के लोकार्पण को भारत और फ्रांस के सांस्कृतिक संबंधों का 'नया युग स्तंभ' बताया। उन्होंने कहा कि यह मंदिर केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि दोनों देशों के साझा सांस्कृतिक मूल्यों, सहयोग और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना का प्रतीक है। लोकार्पण समारोह को वचुंअली संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भले ही वह पेरिस में मौजूद नहीं हैं, लेकिन मन और हृदय से स्वयं को समारोह में उपस्थित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने पूज्य महंत स्वामी, संतों और बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था को इस ऐतिहासिक अवसर के लिए बधाई दी और प्रमुख स्वामी महाराज को श्रद्धापूर्वक नमन किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रमुख स्वामी महाराज ने भारत के प्राचीन सांस्कृतिक और आध्यात्मिक वैभव के पुनर्जागरण का अभियान शुरू किया था, जिसका प्रकाश आज यूरोप समेत पूरी दुनिया में फैल रहा है।



जिसमें 197 ग्राम हेरोइन और बरामद हुई। इस तरह, सांबा-लुधियाना ऑपरेशन में कुल 719 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। एक महीने के भीतर जम्मू डिवीजन में हेरोइन पकड़ने का यह चौथा मामला था। यह कार्रवाई इस इलाके में हेरोइन की सप्लाई और वितरण के खिलाफ खुफिया जानकारी पर आधारित लगातार चल रहे अभियान का हिस्सा है। हाल के ऑपरेशन में जम्मू-सांबा के डूंग-प्रभावित इलाकों में दो ऑपरेशन के दौरान 438 ग्राम और 603 ग्राम हेरोइन बरामद की गई।

जम्मू में एनसीबी की कस्टडी से भागा नशा तस्कर, पुलिस ने गिरफ्तारी के लिए बनाई टीमें

» नई दिल्ली /न्यूज हंगर।

जम्मू में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की हिरासत से एक नशा तस्कर फरार हो गया। आरोपी को पकड़ने के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस ने टीमों का गठन किया है। आरोपी की पहचान आकिब बशीर के रूप में हुई है, जो पुलवामा के काकापोरा का रहने वाला है। दर रात वह एनसीबी, जम्मू हेडक्वार्टर से भागने में सफल रहा। जानकारी के अनुसार, आरोपी को सांबा में 522 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया था।

तीन सितंबर को एनसीबी ने सांबा के नए बस स्टैंड के पास एक यात्री बस को रोका था। कार्रवाई के दौरान एनसीबी ने आकिब बशीर को गिरफ्तार करते हुए उससे 522 ग्राम हेरोइन नार्को मांडयूल से जुड़ा था। आकिब बशीर के साथ ही एनसीबी ने ड्रास की सप्लाई के रूट का पता लगाया था। जांच में एनसीबी को पंजाब से जुड़े लिंक का पता चला। इस जानकारी के आधार पर एनसीबी ने लुधियाना में एक अलग ऑपरेशन चलाया,

नोएडा में तेज गाने का विरोध पड़ा भारी , पीट-पीटकर हत्या; चलती रही पार्टी

नोएडा/न्यूज हंगर। गेझा गांव में शनिवार को जन्मदिन के दौरान तेज आवाज में गाने बजाने का विरोध करने पर दो युवकों ने पड़ोसी को पीट दिया। परिजन घायल को अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। फेज-2 थाने की पुलिस ने दोनों आरोपी भाइयों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। एसीपी दीक्षा सिंह ने कहा कि घटना के आरोपियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया। आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाला जा रहा है, ताकि घटना के संबंध में अहम साक्ष्य जुटाए जा सकें।

पुलिस के अनुसार गेझा गांव की गली नंबर पांच में सतीश शर्मा परिवार के साथ रहते थे। वह कारिये पर मकान दिलाने का काम करते थे। उनके घर के सामने सुमित अपने पिता सतीश और भाई ललित के साथ रहता है। शनिवार को सुमित के बेटे का जन्मदिन था।

घर में समारोह चल रहा था और तेज आवाज में गाने बज रहे थे। आवाज से परेशान सतीश शर्मा ने कई बार गाने की आवाज कम करने के लिए कहा। जब आवाज कम नहीं हुई

रेप मामले में वांछित दो आरोपियों को मुठभेड़ के बाद गाजियाबाद पुलिस ने किया गिरफ्तार

» **नई दिल्ली /न्यूज हंगर।**

ट्रॉनिका सिटी थाना पुलिस ने बीते रविवार रात मुठभेड़ के दौरान पाँक्सो एक्ट के मामले में वांछित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, खानपुर के जंगल में रात करीब 10:50 बजे चेकिंग के दौरान सद्विधों ने पुलिस टीम पर गोली चलाने का प्रयास किया। जवाबी कार्रवाई में गुलजार (20) और एहसान (22) के पैर में गोली लगी। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो तमंचे, कारतूस और खोखे बरामद किए हैं। साथ ही दिल्ली से चोरी की गई एक स्कूटी भी बरामद हुई है। मामले में आगे की जांच की जा रही है।

सहायक पुलिस आयुक्त लोनी श्री राम किशन ने बताया कि 4 सितंबर को थाना ट्रॉनिका सिटी पर दो नाबालिग बच्चियों के साथ छेड़खानी और रेप का मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले में गुलजार और एहसान वांछित थे। थाना प्रभारी को सूचना मिली कि दोनों वांछित आरोपी खानपुर जंगल से गुजरने वाले हैं।

मुखबिर की सूचना पर खानपुर जंगल के पास चेकिंग की जा रही थी। तभी स्कूटी पर सवार दो व्यक्ति आते हुए दिखाई दिये, जिन्हें पुलिस टीम द्वारा रूकने का इशारा किया। इस पर स्कूटी सवार भागने लगे और भागते हुए पुलिस टीम पर फायर करने लगे। पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की, जिससे दोनों को गोली लगी और गिर पड़े। आरोपियों को तलाशी ली गई तो तमंचा और कारतूस बरामद हुए। इसके साथ दिल्ली से

टीएमसी के राज्यसभा सांसद से जुड़े सात ठिकानों पर ईडी का छापा

नई दिल्ली /न्यूज हंगर। टीएमसी के राज्यसभा सांसद मोहम्मद नदीमुल हक से जुड़े दिल्ली, कोलकाता और रांची के सात परिसरों में ईडी ने तलाशी ली है। जांच में कंटेन्ट, सद्विध वित्तीय लेन-देन और फंडिंग से जुड़े आरोप शामिल हैं। हक का नाम उर्दू दैनिक 'अखबार-ए-मशरिक' से भी जुड़ा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईडी ने बीते सोमवार सुबह टीएमसी सांसद मोहम्मद नदिमुल हक से जुड़े परिसरों पर एक साथ कार्रवाई की। एजेंसी की टीमें दिल्ली, कोलकाता और रांची में सात जगहों पर पहुंचीं। तलाशी की कार्रवाई सुबह करीब 6 बजे शुरू हुई। इस दौरान सांसद से जुड़े घर और दफ्तर की भी जांच की गई। मोहम्मद नदिमुल हक का नाम पत्रकारिता से भी जुड़ा रहा है। वह उर्दू दैनिक अखबार-ए-मशरिक के डायरेक्टर बताए जाते हैं। अखबार की वेबसाइट के मुताबिक इसका प्रकाशन कोलकाता से होता है। इसके अलावा अखबार के कई दूसरे शहरों की भी संस्करण प्रकाशित होने की जानकारी सामने आई है। ईडी के सूत्रों के मुताबिक तलाशी का एक हिस्सा उर्दू अखबार से जुड़े मामलों पर केंद्रित है। एजेंसी यह जांच कर रही है कि अखबार और दूसरे प्रकाशनों के जरिए प्रकाशित कंटेंट से जुड़े आरोपों में कोई वित्तीय कड़ी है या नहीं। सूत्रों ने ऐसे कंटेंट को लेकर भी आरोप बताए हैं, जिससे सांप्रदायिक सौहार्द प्रभावित होने की आशंका जताई गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक ईडी की कार्रवाई में अवैध लेन-देन और सद्विध ट्रॉजैक्शन के जरिए फंडिंग से जुड़े आरोपों की भी जांच हो रही है। एजेंसी तलाशी में दस्तावेजों और वित्तीय रिकॉर्ड को देख रही है। शुरूआती जानकारी में मामला बिधानगर पुलिस स्टेशन से जुड़े केस से संबंधित बताया गया है। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि फिलहाल नहीं हुई है। कार्रवाई के दौरान अखबार का मुख्य कार्यालय बंद रहा। इससे जांच में अखबार की भूमिका को लेकर भी चर्चा तेज हो गई। नदीमुल हक पश्चिम बंगाल की राजनीति में टीएमसी के प्रमुख चेहरों में शामिल है। ऐसे में उनके ठिकानों पर ईडी की कार्रवाई ने राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है। फिलहाल एजेंसी की तलाशी जारी जांच का हिस्सा है। सामने आए आरोपों पर अंतिम निष्कर्ष जांच पूरी होने के बाद ही साफ होगा।

शिमला की मस्जिद में निकला अवैध निर्माण, आयुक्त कोर्ट ने दिए दीवार गिराने का आदेश

नई दिल्ली /न्यूज हंगर। हिमाचल प्रदेश के शिमला के संजौली में मस्जिद को लेकर खूब विवाद हुआ था और बाद में इस मस्जिद को अवैध करार दिया था। मामले में फिर मस्जिद को गिराने का भी काम भी शुरू हो गया था। ऐसे में अब शहर में एक और मस्जिद में निर्माण अवैध निकला है और इस पर भी बुलडोजर चलाने के आदेश दिए गए हैं। जानकारी के मुताबिक शिमला शहर के बालूगंज में मस्जिद परिसर में कथित अवैध निर्माण के मामले में नगर निगम आयुक्त कोर्ट ने दीवार गिराने के आदेश दिए हैं। आयुक्त की कोर्ट ने 2013 से चल रहे मामले की सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया। नगर निगम के मुताबिक पुराने शौचालयों की दीवार को बिना अनुमति दोबारा बनाया गया था और नई दीवार पुरानी सीमा से करीब डेढ़ से दो फीट बाहर थी। मस्जिद पक्ष ने निर्माण को सुविधा के लिए किया गया बताते हुए जमीन पर अपना अधिकार होने का तर्क दिया था। शनिवार को आयुक्त कोर्ट ने अवैध निर्माण से जुड़े 20 मामलों में से छह पर फैसला सुनाया। इनमें बालूगंज मस्जिद के अलावा न्यू शिमला, खलीनी, पंथाघाटी और प्लावरडेल के मामले भी शामिल हैं।



तो शाम करीब सात बजे वह सुमित के घर पहुंचे और फिर से आपत्ति जताई। इसी दौरान दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। सतीश घर से बाहर गली में आ गए।

आरोप है कि सुमित और ललित ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान सतीश सड़क पर गिर गए। सिर और मुंह में चोट लगने के बाद वह बेहोश हो गए। परिजन उन्हें तत्काल नजदीकी निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल

मारपीट होने के बाद भी जन्मदिन पार्टी नहीं रोकी

बताया जा रहा है कि मारपीट की घटना के बाद भी जन्मदिन की पार्टी बंद नहीं हुई थी। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद इसकी जानकारी हो सकेगी कि मृतक के शरीर पर कितनी चोटों के निशान है। उस पर कितने वार किए गए। पुलिस का दावा है कि लाठी और डंडे से मृतक को नहीं पीटा गया था। आसपास के लोग डंडे से भी पीटने की बात कह रहे हैं। पुलिस के अनुसार लात और घूसों से आरोपियों ने पीटा था। मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया गया है। घटना के बाद से मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पहले भी दोनों पक्षों के बीच विवाद हो चुका

लोगों का कहना है कि सतीश शर्मा और आरोपी पक्ष के बीच पूर्व में भी विवाद हो चुका था। आरोपियों ने उनको पहले भी धमकी दी थी। हालांकि, उस समय मामले को शिकायत पुलिस से नहीं की गई थी। घटना के बाद आसपास लोगों से उन्हें जेल भेज दिया गया।

स्मृति ईरानी बोलीं- फडणवीस को देखकर गौरान्वित होती हूं

» **नई दिल्ली /न्यूज हंगर।**

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव स्मृति ईरानी ने हाल ही में एक कार्यक्रम में अपनी राजनीतिक यात्रा के बारे में खुलकर बात की। इस दौरान उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का भी जिक्र किया और उनके साथ पार्टी में अपने शुरूआती अनुभवों को साझा किया। स्मृति ईरानी ने व्यक्त किया कि उन्हें देवेंद्र फडणवीस को देखकर गर्व होता है। उल्लेखनीय है कि साल 2024 में उत्तर प्रदेश की अमेठी लोकसभा सीट से चुनाव हारने के बाद ईरानी कुछ समय से सक्रिय राजनीति से थोड़ा दूर चल रही थीं। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें कभी ऐसा लगा कि राज्यसभा के माध्यम से पार्टी उन्हें वापस ला सकती है, तो उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठन में पद का अर्थ महचान नहीं, बल्कि एक अवसर होता है।

ईरानी ने अपने राजनीतिक जीवन के 24 वर्षों का अनुभव साझा करते हुए कहा कि बहुत से लोग इस बात को पूरी तरह



नहीं समझते कि उनके लिए संगठन में पद का मतलब व्यक्तिगत पहचान बनाना नहीं, बल्कि सेवा करने का एक मौका होता है। उन्होंने याद करते हुए कहा कि वह पहली बार 2003 में भाजपा की युवा मोर्चा में पदाधिकारी बनी थीं। यह महाराष्ट्र की बात है, और उस समय उनके साथ जो उपाध्यक्ष थे, उनका नाम देवेंद्र फडणवीस था। उन्होंने उस दौर को याद करते हुए बताया कि वे दोनों तब 24-25 साल के युवा थे, जो पार्टी के बड़े नेताओं जैसे प्रमोद महाजन, गोपीनाथ मुंडे और नितिन गडकरी को देखकर प्रेरणा लेते थे। स्मृति ईरानी आज भी जब देवेंद्र फडणवीस से मिलती हैं, तो दोनों

लंदन में बोले मोहन भागवत, ‘हिंदू केवल व्यक्ति नहीं, परिवार, समाज और मानवता का प्रतिनिधि है’

» **नई दिल्ली /न्यूज हंगर।**

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने ब्रिटेन की राजधानी लंदन में आयोजित 'एकता का जश्न' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदू केवल एक व्यक्ति नहीं होता, बल्कि वह परिवार, समुदाय, समाज और पूरी मानवता से जुड़ा होता है। उन्होंने कहा कि हिंदू केवल प्रकृति की पूजा नहीं करता, बल्कि उससे प्रेम भी करता है और यही प्रेम एकता, चरित्र निर्माण और संघ की कार्यप्रणाली की आधारशिला है। मोहन भागवत ने कहा कि हिंदू चिंतन इस विचार पर आधारित है कि 'अस्तित्व एक ही है, भले ही वह विविध रूपों में दिखाई देता हो।' उन्होंने कहा कि विविधताएं प्रकृति का

नदियां उफान पर: बिहार के 12 जिले बाढ़ की चपेट में, 22 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित

गंगा समेत अनेक नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर

» **नई दिल्ली /न्यूज हंगर।**



फायर स्टेशन में करीब तीन फीट तक पानी भर गया। कई घरों के किचन और बेडरूम तक घुटनों के स्तर तक पानी पहुंचने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। फिलहाल बिहार में बाढ़, उत्तर प्रदेश में जलभराव और उत्तराखंड में बारिश एवं भूस्खलन की घटनाओं ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। प्रभावित इलाकों में स्थानीय प्रशासन और राहत एजेंसियां हालात पर नजर

भाइयों के नशे में होने की बात कह रहे हैं। हालांकि, पुलिस ने अब तक इसकी पुष्टि नहीं की है। वारदात के बाद आरोपी भागने की फिराक में थे लेकिन पुलिस ने उनको दबोच लिया।

जिले में पहले भी इस तरह की घटनाएं हो चुकीं

25 अप्रैल 2022 : गार्डन गैलेरिया मॉल के लॉस्ट लेमन बार में पब स्टाफ और ग्राहकों के बीचबिल के भुगतान और अतिरिक्त पैसों को लेकर विवाद हुआ। बाउंड्सर और सुरक्षा गार्ड ने ग्राहक ब्रजेश राय को पीट-पीटकर मार डाला।

4 फरवरी 2024 : ग्रेटर नोएडा के साई उपवन के पास दो टीमों के बीच चल रहे स्थानीय क्रिकेट मैच में नो बॉल फेंकने को लेकर विवाद हो गया था। दूसरी टीम के खिलाड़ियों ने 24 वर्षीय सुमित को दौड़ा-दौड़ाकर इटों और डंडों से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया था।

15 अक्टूबर 2025 : रबुपुरा में दलित युवक अनिकेत जाटव पर उसके जन्मदिन के जश्न के दौरान दबंगों के एक समूह ने लाठी-डंडों से जानलेवा हमला किया। 25 अक्टूबर को इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया था।

साक्षरता से एआई तक, ज्ञान और कौशल से सशक्त बनेगा यूपी: योगी

लखनऊ/न्यूज हंगर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों से हर व्यक्ति को साक्षर बनाने के साथ डिजिटल और एआई साक्षरता को बढ़ावा देने का आ'न किया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल पढ़ना-लिखना सिखाना नहीं, बल्कि बच्चों में ज्ञान, संस्कार, अनुशासन, आत्मविश्वास और जीवन को सही दिशा देने वाली समझ विकसित करना है।

मुख्यमंत्री ने अपनी 'योगी की पाती' में कहा कि 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर उन्हें राष्ट्र निर्माण की नींव मजबूत करने वाले 81 गुरुजनों को सम्मानित करने का सौभाग्य मिला। शिक्षक ज्ञान का प्रकाश फैलाकर आने वाली पीढ़ियों का मार्ग प्रशस्त करने वाले दीप हैं। इसी ज्ञान के विस्तार और प्रत्येक व्यक्ति को सशक्त बनाने के संकल्प के साथ 8 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे बच्चे विद्यालय केवल पढ़ना-लिखना सीखने के लिए नहीं जाते। शिक्षा का उद्देश्य इससे कहीं व्यापक है। बच्चों को ज्ञान के साथ संस्कार, अनुशासन, आत्मविश्वास और जीवन को सही दिशा देने वाली समझ देना आवश्यक है। भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा में गुरुकुल समग्र शिक्षा के केंद्र रहे हैं, जहां ज्ञान के साथ जीवन मूल्यों और दायित्वबोध की शिक्षा भी दी जाती

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार परंपरागत ज्ञान को आधुनिक विज्ञान, तकनीक, नवाचार और कौशल से जोड़ने की दिशा में काम कर रही है। लखनऊ में एआई सिटी और कानपुर में ड्रोन एवं यूएवी तकनीक का विकसित होता पारिस्थितिकी तंत्र उत्तर प्रदेश के तकनीकी भविष्य की नई संभावनाओं का आधार बन रहा है।

शुभकामना संदेश

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं!
न्यूज हंगर पाक्षिक हिंदी समाचार पत्र के शुभ प्रकाशन के अवसर पर समस्त संपादकीय मंडल एवं प्रबंधन टीम को मेरी ओर से हार्दिक बधाई और ढेरों शुभकामनाएं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि न्यूज हंगर निष्पक्षता, निर्भीकता और जनसरोकारों को प्राथमिकता देते हुए पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी एक मजबूत और विशिष्ट पहचान स्थापित करेगा। यह समाचार पत्र सत्य और समाज की आवाज बनकर लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। ईश्वर से प्रार्थना है कि न्यूज हंगर निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहे, सफलता के नए आयाम स्थापित करे और देशभर के पाठकों का विश्वास, प्रेम एवं सहयोग प्राप्त करता रहे।
समस्त टीम को उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।
सादर शुभकामनाओं सहित
DR. AP SINGH, (ADVOCATE)
SUPREME COURT OF INDIA

शुभकामना संदेश

हार्दिक शुभकामनाएं!
न्यूज हंगर पाक्षिक समाचार पत्र हिंदी के शुभ प्रकाशन पर समस्त संपादकीय टीम एवं प्रबंधन को मेरी ओर से हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं।
आशा है कि न्यूज हंगर निष्पक्ष, निर्भीक और जनपक्षधर पत्रकारिता के उच्च मानकों को स्थापित करते हुए सत्य, लोकतंत्र और समाज के हित में अपनी सार्थक भूमिका निभाएगा तथा देशभर के पाठकों का विश्वास और स्नेह निरंतर प्राप्त करेगा।
ईश्वर से प्रार्थना है कि यह समाचार पत्र सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करे और पत्रकारिता जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए।
सादर शुभकामनाओं सहित,
विजय शर्मा
मोबाइल: 9871514141
प्रबंध संपादक न्यूज चक्र हिंदी समाचार पत्र सेक्रेटरी : वर्किंग जनरल ऑफ़ इंडिया

न्यूज़ हंगर

प्रधान संपादक : विनायक कुमार
उप संपादक : सोम्या मिश्रा
फोटोग्राफर : सुमित
रिपोर्टर : काजल भारती, गुड्डी कुमारी
कानूनी सलाहकार : (सुप्रीम कोर्ट) अधिवक्ता डॉ एपी सिंह

स्पष्टीकरण – उपयुक्त सभी पद अवैतनिक है तथा प्रकाशित विषयवस्तु से संपादकीय का सहमत होना जरूरी नहीं।

RNI No.-RNI No: DLHIN/26/A6615

E-mail: news.hunger.business@gmail.com

Mob.: 7703848362

यह जरूरी नहीं कि इस पत्र में छापे गए सभी समाचारों से सम्पादक सहमत हो।

सभी प्रकार के विवादों का निपटारा दिल्ली न्यायालय में होगा।

ग्रामीण एलपीजी उपभोक्ताओं को बड़ी राहत, अब 25 दिन में दोबारा बुक करा सकेंगे गैस सिलेंडर

नई दिल्ली /न्यूज़ हंगर। केंद्र सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों के घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए गैस सिलेंडर की दोबारा बुकिंग के लिए निर्धारित न्यूनतम अंतराल को घटाकर 25 दिन कर दिया है। इस फैसले के साथ अब ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी रिफिल बुकिंग का नियम समान हो गया है। केंद्रीय पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस एवं पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने कहा कि देश में एलपीजी आपूर्ति की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार और लंबित रिफिल बुकिंग में भारी कमी आने के बाद सरकार ने पहले से लागू प्रतिबंधों में ढील देने का निर्णय लिया है। अमेरिका-ईरान संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य में आपूर्ति बाधित होने के दौरान देश में एलपीजी की उपलब्धता पर दबाव बढ़ गया था। उस अवधि में सरकार ने शहरी उपभोक्ताओं को 25 दिन के अंतराल पर रिफिल बुकिंग की अनुमति दी थी, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों के ग्राहकों के लिए यह अवधि 45 दिन निर्धारित की गई थी। सुरेश गोपी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, 'एलपीजी की आपूर्ति स्थिति में सुधार और रिफिल बैकलॉग में उल्लेखनीय कमी को देखते हुए केंद्र सरकार ने यह प्रतिबंध हटा दिया है। अब सभी घरेलू एलपीजी उपभोक्ता, चाहे वे शहरी क्षेत्र के हों या ग्रामीण क्षेत्र के, 25 दिन के अंतराल पर गैस सिलेंडर की बुकिंग कर सकेगे।' मंत्री ने पेट्रोलियम मंत्रालय द्वारा तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को भेजे गए निर्देश की प्रति भी साझा की, जिसमें इस संशोधित व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से लागू करने को कहा गया है। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब सरकार द्वारा ऊर्जा संकट के दौरान उठाए गए विभिन्न कदमों के कारण एलपीजी की उपलब्धता में सुधार हुआ है। वैश्विक तेल एवं गैस आपूर्ति श्रृंखलाओं में आए व्यवधानों के बावजूद घरेलू मांग को पूरा करने के लिए सरकार लगातार स्थिति की निगरानी कर रही थी। गौरतलब है कि जून में सरकार ने वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति पर लगाए गए प्रतिबंध भी वापस ले लिए थे। इसके तहत पेट्रोलियम मंत्रालय ने तेल विपणन कंपनियों को गैर-घरेलू पैकड एलपीजी की आपूर्ति संघर्ष-पूर्व स्तरों के अनुसार सामान्य करने का निर्देश दिया था। इससे पहले उद्योगों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को राहत देने के लिए सरकार ने वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति को संकट-पूर्व खपत स्तर के 50 प्रतिशत तक बहाल करने की अनुमति भी दी थी, ताकि उत्पादन और व्यावसायिक गतिविधियां प्रभावित न हों। उल्लेखनीय है कि फरवरी में अमेरिका-इजरायल और ईरान से जुड़े संघर्ष तथा होर्मुज जलडमरूमध्य में शिपिंग व्यवधान के बाद वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव बढ़ गया था।

निर्णय में बदलाव पर नजर



लोगों के व्यवहार व कार्यों से या तो तुम सहमत होते हो या असहमत। परंतु इतना सदैव याद रखो कि सब कुछ परिवर्तनशील है। इसीलिए किसी भी निर्णय पर अड़े मत रहो वरना तुम्हारी धारणाएं चट्टान की तरह ठोस हो जाती हैं और तुम्हें व औरों को दुःखी करती हैं। यदि निर्णय हवा के झोंकों की तरह हल्के हों तो वे सुगंध फैलाकर आगे बढ़ जाते हैं। वे दुर्गंध भी फैलाकर जा सकते हैं- परंतु उन्हें हमेशा वहीं नहीं रहना है। निर्णय इतने सूक्ष्म होते हैं कि तुम्हें उनके होने का आभास भी नहीं होता। किसी को निर्णायकत्व उठराना या समझना भी एक निर्णय है। केवल जब तुम सत्ता के साथ होते हो, प्रेम और अनुकम्पा से पूर्ण, केवल तभी तुम निर्णयों से मुक्त हो सकते हो। पर यह संसार फैसलों के बिना आगे नहीं बढ़ सकता। जब तक तुम अच्छे या बुरे का निर्णय नहीं ले लेते, तुम किसी कार्य को नहीं कर पाते। यदि कोई तुमसे दस बार झूट कहे तो तुम सोचते हो अगली बार भी शायद वह झूट ही कहेगा। निर्णय स्वतः ही हो जाता है। परंतु इस संभावना को सदा ध्यान में रखो कि व्यक्ति व वस्तु कभी भी बदल सकते हैं और अपने फैसलों पर अड़े मत रहो। हाँ, अपनी संगति पर तुम्हें निर्णय करना आवश्यक है। तुम्हारी संगत तुम्हें ऊपर उठा सकती है और नीचे भी खींच सकती है। जो संगत तुम्हें सदैव, निरुत्साह, शिकायत, प्रोध, भ्रम और कामना की तरफ नीचे खींचती हैं, वह कुसंगत है। जो संगति तुम्हें आनंद, उत्साह, सेवा, प्रेम, विश्वास और ज्ञान की तरफ ऊपर खींचती है, वह अच्छी संगत है।

नेपाल त्रासदी भविष्य का संकेत?



विनायक कुमार

हिमालय की गोद में बसा खूबसूरत देश नेपाल इस वक्त सदी की सबसे बड़ी और भयानक प्राकृतिक आपदाओं में से एक का सामना कर रहा है। अगस्त 2026 का वह आखिरी हफ्ता जब नेपाल तिब्बत सीमा पर प्रकृति ने एक ऐसा तांडव मचाया जिसने हंसते खेलते पूरे गांव बुनियादी ढांचे और हजारों जंदगियों को मालवे और कीचड़ के नीचे दफन कर दिया।खूबसूरत घर मालवे में तब्दील हो गए लोगों की जाने बिना कीमत के चली गई और बिना किसी चेतावनी की आई इस आपदा ने केवल नेपाल को नहीं बल्कि पूरी दुनिया को जलवायु परिवर्तन का एक खतरनाक प्रभाव दिखाया जो आने वाले समय में लोगों के लिए बड़ा बदलाव ला सकता है। उसके प्रति सचेत किया है। ग्लेशियर का टूटना इस पूरे घटनाक्रम में बड़ा कारण बताया जा रहा है यह आपदा आम मानसून की बारिश की नहीं थी। वैज्ञानिकों की मां ने तो पर्वत श्रृंखला पर एक विशाल और बड़े ग्लेशियर के टूटने की वजह से यह भूस्खलन हुआ जिसके बाद ग्लेशियर टूटने के बाद भारी

भोटकोशी और त्रिशूली नदी कॉरिडोर पर चल रहे लगभग 11 हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट इस सैलाब की चपेट में आए । सबसे अधिक दुख की बात यह है कि पानी इतनी तेज गति से आया कि प्रोजेक्ट की सुरंगें जिनके अंदर सैकड़ों मजदूर काम कर रहे थे वह बाहर नहीं निकल सके और मौके पर ही फंसे रह गए ।



मात्रा में जो बाढ़ चट्टान और पानी तेजी से नीचे की ओर आई उसकी वजह से भूकंप की तीव्रता 5.2 दर्ज की गई थी। इस सब के बाद ही एक बड़ी आशंका सामने आई जिसके बाद नेपाल का हर एक आम आदमी जो अपनी आम प्रक्रियाएं जो रोजमर्रा के काम होते हैं वह कर रहा था उसने कभी सोचा की नहीं था की पल भर में उनकी जिंदगी तबाह हो जाएगी। एक ऐसा आदमी जिसके 5 घर लेकिन आज उसके पास रहने के लिए कुछ भी नहीं उसके शरीर पर बचे कपड़े के सिवा आज उसके पास अपना कुछ भी नहीं बचा पूरा परिवार तहस-नहस हो गया विनाशकारी फ्लड बाढ़ जो देखने को मिली वह अब भी लोगों को डरा रही है। वह खौफनाक मंजर जिसमें अब तक 1200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। 4000 से ज्यादा लोग अभी लापता है और सवाल यह की न जाने और कितनी जान गई है और जाएंगे। क्योंकि लगातार बढ़ की तीव्रता अब बिहार को भी छूने लगी है। नेपाल बाढ़ का पानी बिहार के मछुआरों तक



को बड़ा झटका दे रहा है बिहार सरकार ने इस बाढ़ के आने के बाद मछुआरों से कहा कि वह मछली का व्यापार कम कर दें और संभव हो तो लोग मछली खाना बंद कर दें क्योंकि जिस प्रकार से बाढ़ का पानी कीचड़ और गंदगी से मिलता हुआ आ रहा है ऐसे में लोगों को बीमारियों की भी मार झेलनी पड़ सकती है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार अब तक मरने वालों के आंकड़े 1200 से अधिक है 4000 लोग लापता है देश-विदेश से आए पर्यटक सुरक्षा करनी और कैलाश मानसरोवर यात्रा पर आए भारतीय तीर्थयात्री भी इसमें शामिल है। तिब्बत के साथ नेपाल का मुख्य व्यापारिक मार्ग और इंटरनेशनल ब्रिज पूरी तरीके से तबाह हो चुका है कई मंजिलाई मार्ट और बस्तियां मालवा के अंदर दब चुकी है त्रिशूली नदी के किनारे बसे कई इलाके अब पूरी तरह नक्शे से मिट चुके हैं। भोटकोशी और त्रिशूली नदी कॉरिडोर पर चल रहे लगभग 11 हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट इस सैलाब की चपेट में आए । सबसे अधिक दुख की बात यह है कि पानी इतनी

तेज गति से आया कि प्रोजेक्ट की सुरंगें जिनके अंदर सैकड़ों मजदूर काम कर रहे थे वह बाहर नहीं निकल सके और मौके पर ही फंसे रह गए। राहत और बचाव कार्य की अगर हम बात करें तो नेपाल की सेवा सशस्त्र पुलिस बल और स्थानीय प्रशासन युद्ध स्तर पर बचाव कार्य में जुटे हैं दुर्गम पहाड़ी इलाका भारी कीचड़ और कटी हुई संचार लाइनों के कारण हेलीकॉप्टर की भी मदद ली जा रही है। भारत ने भी पड़ोसी देश होने के नाते नेपाल की हर संभव मदद करने की कोशिश की है और इस वक्त जो सबसे बड़ा सबक नेपाल त्रासदी से लोगों को सीखने को मिला वह यह है - वैज्ञानिकों का मानना है कि यह आपदा ग्लोबल वार्मिंग का सीधा परिणाम है। तीसरा थुप कहे जाने वाले हिमालय क्षेत्र में तापमान तेजी से बढ़ रहा है, जिसकी वजह से सदियों पुरानी जमीन पर पिघल रही है और ग्लेशियर अस्थिर हो रहा है। यह त्रासदी चेतावनी है यदि आप प्रकृति से छेड़छाड़ और पर्यावरण की अनदेखी बंद नहीं की गई, तो आने वाले समय में ऐसी ही आप बगलए विनाशकारी रूप ले सकती है।

बीमार मेडिकल सिस्टम से ईलाज की उम्मीद



मनोज कुमार अग्रवाल

दुनिया में आने के लिए की गई यही मेहनत एक नवजात शिशु को जीवन भर के लिए मजबूत फाउंडेशन तैयार कर देती थी यह मैं नहीं कह रहा खुद शोधकर्ता डॉक्टर कहते हैं सुविधाएं बढ़ी तो सामर्थ्य घटी। मेरे बाबा जी जो वैद्य थे नाड़ी देख कर जटिल रोगों का उपचार कर देते थे। अब समूचा इलाज दवा इंस्ट्री ने जकड़ लिया है डोलो 650 ही दी जाती है चाहे जरूरत कोसिन 300 की हो।

इन दिनों वायरल फीवर का जोर है। तीन चार दिन के वायरल फीवर ने अपन का हुलिया ही बिगाड़ दिया। अपनी एलोपैथी डॉक्टर एमडी बेटी ने एलोपैथी दवा वहाटसएप पर लिखी। होम्योपैथिक डॉक्टर बेटी दामाद जी ने होम्योपैथी की डोज सलाह दी। जिसकी सलाह न मानूं उसके ही नाराज होने का खतरा। क्योंकि फिर भी कभी दवा और सलाह की जरूरत पड़ सकती है बीमारी से ज्यादा इलाज की पैथी को लेकर झंझट। हालांकि होम्योपैथी दवा का जबाब नहीं क्योंकि यह साइड इफेक्ट नहीं देती है या यह कहिये कि इसके दुष्प्रभाव बहुत कम होता है लेकिन इसकी उपचार गति थोड़ा धीमी होती है और आज की दुनिया में सब कुछ तत्काल चाहिए। रोगी एक दो दिन में सही न हो तो तुरंत एलोपैथी पर पहुंच जाता है चाहे वहां हफ्ता लग जाए और दवा के तमाम साइड इफेक्ट झेलने पड़े।

बहरहाल अपन तब खुश थे जब आयुर्वेद व अंग्रेजी मिक्स देसी डॉक्टर से तीन पड़िया लाकर खा लेते थे लेकिन पढ़े लिखों डॉक्टर संतानो ने झंझट पैदा कर दिया। पापा इसमें ये छोटी सी दिख रही गोली स्ट्राइड है यह बहुत हार्मफुल है। मान लिया वह हार्मफुल थी लेकिन हम तो उसे खाकर ही ठीक होते रहे ? अब तो कई कई दिन और कई कई बार ढेर गोलियां खाने के बाद भी आराम मिल जाए तो भगवान की कृपा..शरीर ऐसे टूटता है बस। वायरल फीवर का जिक्र करते ही पापा ब्लड सीबीसी टेस्ट कराने के लिए बोला था पर आप मानते ही कहाँ है ? कैसे समझाये इन बच्चों को हम उस पीढ़ी के लोग हैं जिनका जन्म बिना गर्भ का अल्ट्रासाउंड किए एक अशिक्षित समझी जाने वाली दाई द्वारा सकुशल सम्पन्न हो जाता था वो भी लालटेन की मद्धम रोशनी में। कोई नर्सरी में रखने की जरूरत नहीं होती थी कोई जोईडिस नहीं होता था जून की तपती गर्मी में बिजली आती ही कब थी माताएं बिना पंखे, एसी की सुविधा के घर के एक कमरे में प्रसव पीड़ा झेल लेती थी और हम जैसे बहादुर बच्चे माँ के गर्भ में भरे



चला चला कर दुनिया के रूबरू हो जाते थे।

दुनिया में आने के लिए की गई यही मेहनत एक नवजात शिशु को जीवन भर के लिए मजबूत फाउंडेशन तैयार कर देती थी यह मैं नहीं कह रहा खुद शोधकर्ता डॉक्टर कहते हैं सुविधाएं बढ़ी तो सामर्थ्य घटी। मेरे बाबा जी जो वैद्य थे नाड़ी देख कर जटिल रोगों का उपचार कर देते थे। अब समूचा इलाज दवा इंस्ट्री ने जकड़ लिया है डोलो 650 ही दी जाती है चाहे जरूरत कोसिन 300 की हो। गैस न भी बने एंटासिड पेंटाप देना जरूरी है आप चाहें तो हंस सकते हैं मुझे एंटासिड लेने पर उल्टा असर होता है। जांच के लिए खुली लैब क्या और कैसे कितना मानक पर कर रहें हैं बता दिया तो आपका इलाज कराने से ही मन खट्टा हो जाएगा।

आपसे वसूल की जाने वाली जांच की राशि में से चालीस

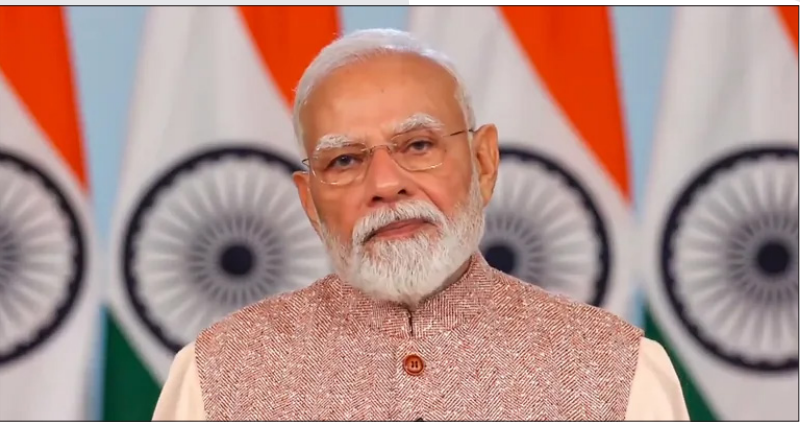
पचास फीसदी कमीशन बतौर लैब द्वारा डॉक्टर को दिया जाता है। लेकिन फंसते है तो जांच कराने की मजबूरी भी होती है। सिस्टम पर एक ऐसी दवा इंस्ट्री हावी है कि वही सब ठीक है जो वह तय कर रहे हैं और वह अपने नफे और फायदे के हिसाब से तय करते हैं इसे आप मेडिकल सिस्टम में पैठ जमा चुकी मेडिकल माफियागिरी भी कह सकते हैं। डचम रक्तचाप (ब्लड प्रेशर) , मधुमेह (डायाबीटीज) हृदय रोग,थायराइड जैसे अनेक बीमारियों के लिए एलोपैथी ने जीवन भर के लिए दवा ग्राहक का बंदोबस्त कर दिया है यही कारण है दवा इंस्ट्री सब दिन बढ़ रही है। पोस्ट कोविड से होने वाली मौतों में कितना योगदान एंटी कोविड वेकसीन का रहा इसकी गिनती करने का समय किसी के पास नहीं है यही सिस्टम की बेचारगी है।कौन सही करेगा जब सारा मेडिकल सिस्टम ही बीमार है ?

वडोदरा से विकास की नई रेल, गुजरात की धरती पर मोदी सरकार का बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर संदेश

विनोद सिंह 'तकियावाला'

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गृह राज्य गुजरात का वडोदरा एक बार फिर देश के विकास मानचित्र पर बड़ी तस्वीर के साथ उभरने जा रहा है। 8 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वडोदरा में एक ऐसे कार्यक्रम में शामिल होंगे, जहाँ हजारों करोड़ रुपये की रेल एवं आधारभूत संरचना परियोजनाओं का लोकार्पण, समर्पण और शिलान्यास किया जाएगा। यह केवल विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास का कार्यक्रम नहीं, बल्कि बदलते भारत में आधारभूत संरचना को आर्थिक विकास की रीढ़ बनाने की उस सोच का भी प्रतीक है, जिसमें रेल, माल दुलाई, औद्योगिक संपर्क और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को एक-दूसरे से जोड़कर आगे बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। इस संदर्भ में उपलब्ध जानकारी के अनुसार वडोदरा में प्रधानमंत्री लगभग 30,766 करोड़ रुपये की रेलवे और संबद्ध परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित अथवा उनका शिलान्यास करेंगे। इस व्यापक पैकेज में नई रेल लाइनें, रेल लाइनों का दोहरीकरण, गेज परिवर्तन और डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से जुड़ी महत्वपूर्ण परियोजनाएँ शामिल हैं। इन परियोजनाओं को अलग-अलग देखने के बजाय एक समग्र परिवहन ढाँचे के रूप में देखा जाए तो इनके पीछे देश की आर्थिक गतिविधियों को अधिक गति देने की

व्यापक रणनीति दिखाई देती है। इस पूरे पैकेज में सबसे बड़ा हिस्सा लगभग 20,703 करोड़ रुपये के डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से जुड़ा है। मालगाड़ियों के लिए विकसित यह व्यवस्था देश के औद्योगिक और व्यापारिक ढाँचे में महत्वपूर्ण परिवर्तन ला सकती है। भारतीय रेलवे लंबे समय से यात्री और माल यातायात दोनों का भार उठाता रहा है। एक ही नेटवर्क पर दोनों प्रकार की ट्रेनों के बढ़ते दबाव के कारण कई बार मालगाड़ियों की गति और परिचालन क्षमता प्रभावित होती है। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर इस चुनौती का समाधान प्रस्तुत करता है। जब माल दुलाई के लिए अलग और अधिक सक्षम रेल मार्ग उपलब्ध होता है, तब यात्री ट्रेनों और मालगाड़ियों के बीच परिचालन का दबाव कम होता है। इससे रेल परिवहन की गति और क्षमता दोनों बढ़ाने में मदद मिलती है। मालगाड़ियों की औसत गति में सुधार का अर्थ केवल समय की बचत नहीं है। इसका सीधा संबंध उद्योगों की उत्पादन लागत, आपूर्ति श्रृंखला, बाजार तक पहुँच और अंततः उपभोक्ता तक पहुँचने वाली वस्तुओं की कीमत से भी है। भारत जैसे विशाल देश में जहाँ एक क्षेत्र में उत्पादित कच्चा माल दूसरे क्षेत्र के उद्योगों में उपयोग होता है और तैयार उत्पाद देश के अलग-अलग बाजारों में पहुँचते हैं, वहाँ मजबूत माल परिवहन व्यवस्था आर्थिक विकास की बुनियादी आवश्यकता बन जाती है। इसी कारण डेडिकेटेड फ्रेट



कॉरिडोर को केवल रेलवे की परियोजना मानना पर्याप्त नहीं होगा। यह देश के औद्योगिक ढाँचे को मजबूत करने वाली आधारभूत संरचना का हिस्सा है। वडोदरा-रतलाम रेल मार्ग की तीसरी और चौथी लाइन का प्रस्ताव भी इस कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा है। लगभग 259 किलोमीटर लंबे इस प्रोजेक्ट पर करीब 8,885 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। इस परियोजना का उद्देश्य मौजूदा रेल मार्ग की क्षमता को बढ़ाने और यात्री तथा माल यातायात को अधिक सुगम बनाना है। पश्चिम भारत को मध्य भारत से जोड़ने वाले इस महत्वपूर्ण रेल मार्ग की क्षमता में

दूसरे हिस्सों तक माल एवं यात्री आवागमन पर पड़ सकता है।

इस अवसर पर जबलपुर-टाडा रोड रेल सेक्शन तथा इंदौर-उज्जैन गेज परिवर्तन परियोजना सहित अन्य कार्य भी कार्यक्रम का हिस्सा बताए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त नए रेल सेवा संचालन की शुरुआत भी प्रस्तावित है। गेज परिवर्तन जैसी परियोजनाएँ पुराने और नए रेल नेटवर्क के बीच बेहतर संपर्क स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इससे दूर-दराज के क्षेत्रों को बड़े आर्थिक और परिवहन केंद्रों से जोड़ने की संभावनाएँ बढ़ती हैं। यही वह बिंदु है जहाँ आधारभूत संरचना का वास्तविक अर्थ सामने आता है। किसी रेल लाइन केवल पटरियों, पुलों और स्टेशनों का समूह नहीं होती। उसके साथ लोगों की आवाजाही, व्यापार, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और बाजार की संभावनाएँ जुड़ी होती हैं। किसी छोटे शहर या ग्रामीण क्षेत्र को बेहतर रेल संपर्क मिल जाए तो वहाँ के लोगों के लिए बड़े शहरों तक पहुँचना आसान होता है। व्यापारियों के लिए बाजार का दायरा बढ़ता है और युवाओं के लिए रोजगार तथा शिक्षा के नए अवसर खुल सकते हैं। विकास की इस तस्वीर का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू रोजगार और अर्थव्यवस्था से जुड़ा है। किसी भी बड़े बुनियादी ढाँचे का वास्तविक महत्व केवल उसके निर्माण पर खर्च होने वाली राशि से नहीं आँका जा सकता। असली प्रभाव तब सामने आता है

जब वह परियोजना उद्योगों के लिए परिवहन आसान करती है, किसानों और व्यापारियों को बाजार से जोड़ती है, लॉजिस्टिक लागत घटाती है और नए निवेश का रास्ता खोलती है। रेल परियोजनाओं के निर्माण के दौरान प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। निर्माण सामग्री, परिवहन, इंजीनियरिंग, तकनीकी सेवाओं और स्थानीय व्यवसायों को भी इससे लाभ मिलता है। परियोजना पूरी होने के बाद उसका प्रभाव और व्यापक हो सकता है। बेहतर संपर्क के कारण नए उद्योग, वेयरहाउस, लॉजिस्टिक सेंटर और छोटे-बड़े कारोबारी प्रतिष्ठान विकसित होने की संभावना बढ़ती है। भारत में पिछले कुछ वर्षों से रेलवे को केवल यात्री परिवहन का माध्यम न मानकर आर्थिक विकास के महत्वपूर्ण इंजन के रूप में विकसित करने की कोशिश की जा रही है। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर इसी सोच का महत्वपूर्ण हिस्सा है। तेज और अधिक व्यवस्थित माल परिवहन से उद्योगों को कच्चा माल पहुँचाने तथा तैयार उत्पाद बाजार तक भेजने में सुविधा मिल सकती है। इसका सीधा संबंध देश की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता से भी है। आज वैश्विक अर्थव्यवस्था में वही देश अधिक तेजी से प्रतिस्पर्धा कर सकता है जहाँ उत्पादन के साथ-साथ लॉजिस्टिक व्यवस्था भी प्रभावी हो। यदि किसी उत्पाद को कारखाने से बाजार तक पहुँचाने में अत्यधिक समय और लागत लगती है तो उसका प्रभाव उद्योग की प्रतिस्पर्धा पर पड़ता है।

